Bandaru Dattatraya
Governor, Haryana

बंडारू दत्तात्रेय
राज्यपाल, हरियाणा

सत्यमेव जयते

संदेश

मुझे यह जानकर अपार हर्ष हो रहा है कि वन विभाग हरियाणा राज्य में 75वां राज्य स्तरीय वन महोत्सव बड़े हर्षोल्लास के साथ मना रहा है। वन और भारतीय संस्कृति में ऐसा अटूट रिश्ता है जो दुनिया में कहीं भी देखने को नहीं मिलता है। हमारी संस्कृति वनों, नदी, नालों और प्रकृति की गोद में पनपी है। हमारी संस्कृति में वृक्षों को रक्षक माना जाता है। आज भी पीपल, तुलसी, नीम, परिजात व शामी आदि वनस्पति को पूजा जाता है तथा उन्हें देव तुल्य माना जाता है।

मैं हरियाणा राज्य की संस्कृति से अब अच्छी तरह से रूबरू हो गया हूँ। मैने पाया है कि यह राज्य पेड़–पौधों व वन्य जीवन के क्षेत्र में काफी धनी है। हरीतिमा से लदी शिवालिक की पहाड़ियां व विश्व की पुरानतम पर्वतमालाओं में से एक अरावली पर्वतमाला दुर्लभ हरियाली व जड़ी बूटियां संजोए हुए है। इनमें सुंदर व विचित्र जीव भी स्वच्छंद क्रीड़ा करते दिखाई पड़ते हैं।

मुझे यह जानकर अत्यंत खुशी हुई है कि कम वन क्षेत्र के चलते भी हरियाणा राज्य 'काष्ठ आधिक्य' राज्य है। मेरी सरकार की जन सहयोगी नीतियों व हरियाणा वन मित्र योजना के चलते हमारे यहां कृषि वानिकी फल–फूल रही है।

हरियाणा की जनता जन्मजात प्रकृति एवं वृक्ष प्रेमी है। हरियाणा वन विभाग ने राज्य में वृक्ष गणना करके देश में एक मिसाल साबित की है। पर्यावरण के बेहतर प्रबंधन की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। यह हरियाणा सरकार की जन एवं किसान हितैषी नीतियों का परिणाम है। विभिन्न विभागों, संस्थाओं व आमजन को निःशुल्क पौधे उपलब्ध करवाकर हरियाणा सरकार अपनी जन हितैषी नीतियों का परिचय दे रही है।

मैं वन एवं पर्यावरण सुधार के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य के लिए हरियाणा सरकार एवं वन विभाग की सराहना करता हूँ और 75वें राज्य स्तरीय वन महोत्सव की सफलता की कामना करता हूँ।

(बंडारू दत्तात्रेय)

हरियाणा राजभवन, चण्डीगढ़ – 160019
Haryana Raj Bhavan, Chandigarh - 160019
EPABX - 0172-2740581, 2740583
Fax - 0172-2740557
e-mail : governor@hry.nic.in

नायब सिंह
NAYAB SINGH

मुख्य मन्त्री, हरियाणा,
चण्डीगढ़।
CHIEF MINISTER, HARYANA,
CHANDIGARH

Dated 10-07-2024

संदेश

मैं वृक्षों के प्रति प्रेम और आदर–भाव समर्पित करते हुए वन महोत्सव पर सभी हरियाणावासियों को हार्दिक बधाई देता हूँ। भारतीय संस्कृति में प्राचीन काल से ही वृक्षों का बड़ा महत्व रहा है। वृक्ष हमारी धार्मिक आस्था के प्रतीक हैं। हमारे ऋषि–मुनियों एवं पूर्वजों ने भी प्राचीन ग्रन्थों में वृक्षों का काफी गुणगान किया है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने भी गत 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर दिल्ली के बुद्ध जयंती पार्क में पौधारोपण करते हुए ''एक पेड़ मां के नाम'' से एक अनूठा अभियान शुरू किया है। उनका कहना है कि ''जितना सम्मान हम अपनी जन्म देने वाली मां को देते हैं, उतना ही सम्मान हमें हमारा पालन पोषण करने वाली धरती मां को भी देना होगा। अपनी मां के नाम पौधा लगाने से मां का तो सम्मान होगा ही, साथ ही धरती मां की भी रक्षा होगी। हरियाणा सरकार भी प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में प्रदेश को हरा–भरा बनाकर प्रदूषण मुक्त करने के लिए कृत संकल्प है।

हरे–भरे वृक्ष प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने तथा पर्यावरण को शुद्ध रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को तपती धूप से राहत व स्वच्छ पर्यावरण मिले। इसी उद्देश्य से गत वर्षों में 'हर गांव पेड़ों की छांव', 'हर घर हरियाली' तथा 'पौधगिरी' जैसी योजनाएं सफलतापूर्वक चलाई गई हैं।

मैं प्रदेशवासियों से अपील करता हूँ कि आप भी अपने आसपास एक पौधा अवश्य लगाएं, बड़ा होने तक उसकी उचित देखभाल करें और पर्यावरण संरक्षण के यज्ञ में अपनी आहुति दें।

मैं 75वें वन महोत्सव की सफलता की कामना करता हूँ।

(नायब सिंह)

श्री संजय सिंह
Sh. Sanjay Singh

D.O. No. MEFW-03-2024

राज्य मंत्री, पर्यावरण, वन एंव वन्य जीव, खेल हरियाणा
Minister of State
Environment, Forest & Wildlife,
Sports, Haryana

Dated 11.07.2024

संदेश

मुझे यह जानकर बहुत प्रसन्नता हुई है कि वन विभाग हरियाणा 75वां राज्य स्तरीय वन महोत्सव बडे हर्षोल्लास के साथ मना रहा है। भारतीय परम्परा में मनाए जाने वाले उत्सवों में वृक्षों को मान–सम्मान स्वरुप समर्पित यह एक पावन पर्व है।

वनस्पति और भारतीय संस्कृति में गहरा रिश्ता है। हम वनस्पति को बड़े आदर भव से देखते हैं। हम बिन वजह वृक्षों को नहीं काटते हैं। दिन ढलने और अरुणोदय से पूर्व हम फल, फूल व पत्ते नहीं तोड़ते हैं। वृक्षों को देव एवं देवी तुल्य मानते हैं। वृक्ष हमारी सभ्यता और संस्कृति के रक्षक हैं जो हमें वृक्षों की पूजा करना सिखाती है। भारतीय संस्कृति में वनस्पति को ईश्वर के समान पुजनीय माना जाता है, जिसे हम अधिकांश घरों में तुलसी के रुप में देख सकते है।

मुझे बताया गया है कि इस वर्ष राज्य में करीब डेढ़ करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य है। राज्य में वन क्षेत्रों, पंचायत भूमि, किसानों की भूमि पर तथा जल शक्ति अभियान के तहत भी वृक्षारोपण किया जाएगा। स्कूली बच्चों व पर्यावरण से जुड़ी संस्थाओं को भी वृक्षारोपण से जोडा जाएगा।

वन विभाग ने राज्य में हाल ही में वृक्ष गणना को पूरा करने में सफलता पाई है। इस गणना से कई उत्साहवर्धक परिणाम सामने आए हैं। इससे उन गांवो का पता लगा है जिनमें हमें वृक्षारोपण क्षेत्र पर और ज्यादा ध्यान देने की आवश्यकता है।

वन विभाग, हरियाणा किसानो को कृषि–वानिकी के तहत उत्तम गुणवत्ता के पौधे उपलब्ध करवा रहा है। काष्ठ आधारित उद्योग भी फल–फूल रहे हैं। कृषक और काष्ठ आधारित उद्योगों के बीच बेहतर तालमेल में चलते यमुनानगर कस्बे को भारत की 'प्लाईवुड नगरी' का दर्जा प्राप्त हुआ है। इस प्रकार हरियाणा सरकार व वन विभाग राज्य के समग्र विकास के लिए कार्य कर रहा है। इस वर्ष भी कृषि वानिकी के तहत 44.00 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है।

मेरा हरियाणा वासियों, स्कूली बच्चों, अध्यापकों, पर्यावरण संगठनों से अनुरोध है कि वृक्षारोपण के पुण्य कार्यों में शामिल होंवे तथा रोपित पौधों की सुरक्षा के पूरे–पूरे प्रबंध करें।

मैं पुनः 75वें राज्य स्तरीय वन महोत्सव के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं।

(संजय सिंह)

कार्यालय:– कमरा नं. 43-A, 8 वी मंजिल, हरियाणा सिवल सचिवालय, सैक्टर-1, चण्डीगढ़ I 0172-2740794
Office Address:- Room No. 43-A, 8th Floor, Haryana Civil Secretariat, Chandigarh, Tel. No. 0172-2740794

Anand Mohan Sharan, IAS

DO NO._____

Additional Chief Secretary to Government Haryana
Environment, Forests & Wildlife Department
Room No. 46/9, Haryana Civil Secretariat,
Sector-1, Chandigarh (Phone: 0172-2740009)

Date: 11.07.2024

सन्देश

हम सभी के लिए यह हर्ष का विषय है कि वन विभाग हरियाणा द्वारा 75वां राज्यस्तरीय वन महोत्सव प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी बड़ी धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। वन महोत्सव एक ऐसा उत्सव है जो मनुष्य जाति का प्रकृति के साथ रिश्ते को बहुत ही गहराई से रेखाकिंत करता है। यह समारोह हमें एहसास कराता है कि "वन है तो जीवन है, वन है तो हम हैं"।

हम सब एक साथ मिलकर पृथ्वी की सुंदरता को बनाये रखने के लिए कार्य करेंगे तो अवश्य ही पर्यावरण संरक्षण जन–जन के जीवन में आत्मसात होगा। हम अपने जीवन में छोटी–छोटी गतिविधियों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का हिस्सा बन सकते हैं, जैसे वृक्षारोपण की अपने आस–पास के वातावरण को सुंदर व स्वच्छ बनायें, अपने आचरण में साफ–सफाई को महत्व दें, पानी व बिजली की बचत करें, जैविक खेती को बढ़ावा दें, जंगली जीवों को सुरक्षा दें, वाहन का जरूरत के अनुसार उपयोग करें इत्यादि। यदि हम ऐसा करते हैं तभी वन महोत्सव की सार्थकता साकार हो सकेगी।

75वें वन महोत्सव के अवसर पर समस्त नागरिक समाज से मेरी अपील है कि प्राणी जगत के कल्याण के लिए ज्यादा से ज्यादा पौधारोपण करें। हम सब जानते हैं कि वृक्षों से ही ऑक्सीजन मिलती है तथा वृक्षों से ही समस्त प्राणी जगत का कल्याण है। जलवायु परिवर्तन के खतरों से निजात पाने के लिए पौधारोपण करना और रोपे गये पौधे को संवारकर वृक्ष बनाना ही एकमात्र मार्ग है। आईये हम सब मिलकर पौधारोपण करें और अपने दायित्व का निर्वाह करें।

(आनंद मोहन शरण)